IJCRT.ORG ISSN : 2320-2882

INTERNATIONAL JOURNAL OF CREATIVE RESEARCH THOUGHTS (IJCRT)

An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

रुस-यूक्रेन युद्ध का भारत पर आर्थिक प्रभाव

गजेंद्रकुमारगर्ग [1]

[1]एम.ए. अर्थशास्त्र, विश्वविद्यालय सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय, मोहनलाल सुखाडिया विश्वविद्यालयए, उदयपुर

सारांश

वर्तमान में रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण विश्व के अनेक देशों को आर्थिक एवं राजनेतिक समस्या का सामना करना पड़ रहा है। इस रूस-यूक्रेन युद्ध से भारतीय अर्थव्यवस्था पर व्यापक प्रभाव देखने को मिल रहे है। भारत में इस संकट के कारण पूंजीगत वस्तुओं, खाद्यानों, कच्चे तेल, तकनीकी उपकरणों, एवम् विनिर्मित वस्तुओं के आयत निर्यात में आकस्मिक परिवर्तन देखे जा रहे है। रूस यूक्रेन के इस संकट काल में भारत एक खुली अर्थव्यवस्था होने के कारण इस पर प्रत्यक्ष एवम् अप्रत्यक्ष रूप से ऋणात्मक प्रभावो का सामना कर रहा है।

परिचय

कोरोना महामारी द्वारा पहले से ही विश्व अर्थव्यवस्था में वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला पर बुरा प्रभाव पड़ा हुआ है, हालाँकि महामारी थमने के बाद इसमे कुछ सुधार हुआ था, वही रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण फिर से वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला प्रभावित होने के आसार दिख रहे है, इससे भारत ही नही बल्कि विश्व के कई देशो की अर्थव्यवस्था प्रभावित होगी। भारत को जहां युद्ध के प्रारंभ के दिन से ही शेयर बाज़ार, क्रूड आयल, आदि के क्षेत्र में शीघ्र एवं प्रत्यक्ष रूप से नकारात्मक प्रभाव दिखाई दे रहे हैं। भारत अपने आवश्यक कच्चे तेल का लगभग 85 फीसदी विदेशो से आयात करता है, जिससे कच्चे तेल की कीमतों में हुई वृद्धि का प्रभाव प्रत्यक्ष तौर पर भारत में देखने को मिल रहे है। रूस-यूक्रेन के संकट को रोकने के लिए पश्चिमी देशो द्वारा रूस पर विभिन्न आर्थिक प्रतिबन्ध लगाये जा रहे है जिससे भविष्य में भारत में भी मुद्रास्फीति दर बढ़ने के आसार हो सकते है। रूस की अर्थव्यवस्था अपने विशाल ऊर्जा संसाधनों के चलते शेष विश्व पर भी व्यापक प्रभाव डालेगी।

भारतीय रिज़र्वे बैंक भी रूस-यूक्रेन के इस संकट के बीच भारत में बढ़ती मुद्रास्फीति को लेकर चिंतित है। भारतीय रिज़र्व बैंक के विशेषज्ञो अनुसार रूस-यूक्रेन युद्ध से भारतीय अर्थव्यवस्था को प्रत्यक्ष रूप से कम किन्तु अप्रत्यक्ष रूप से ज्यादा प्रभावित करेगा।

उद्देश्य

इस लेख का मुख्य उद्देश्य रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण भारत की अर्थव्यवस्था पर जो आर्थिक प्रभाव पड़ रहे हैं एवं मुख्यतः उन क्षेत्रों का वर्णन करना जो इस संकट के कारण आर्थिक रूप से ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं। इस प्रकार भारत की अर्थव्यवस्था पर रूस-यूक्रेन आर्थिक प्रभावों का वर्णन करना इस लेख का मुख्य उद्देश्य हैं।

रुस-यूक्रेन युद्ध का भारत पर आर्थिक प्रभाव

भारत एवं रूस की अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार में लम्बी और गहरी साझेदारी है। वित्त वर्ष 2021- 22 के पहले नों माह में भारत ने रूस के साथ 2.5 बिलियन डॉलर के निर्यात और 6.9 बिलियन डॉलर के आयात के साथ रूस भारत का 25 वां सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदारी है, यधपि भारत रूस से कच्चा तेल केवल एक फीसदी ही आयात करता है, किन्तु विश्व में रूस कच्चे तेल का बड़ा निर्यातक देश है। रूस के द्वारा विश्व के अन्य देशो में कच्चे तेल की पूर्ति बाधित होने पर इसका प्रभाव अवश्य ही अप्रत्यक्ष रूप से भारतीय अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा एवं भारत में तेल की कीमतों में वृद्धि जारी रह सकती है। भारत रूस से कोयला, खाद, मिनरल फ्यूल्स, ज्वेलरी, मेटल्स इत्यादि का आयात करता है। रूस कोयले का सबसे बड़ा उत्पादक राष्ट्र है एवम् भारत कोयले का तीसरा सबसे बड़ा आयातक देश है। वर्तमान संकट के चलते इन वस्तुओ की पूर्ति बाधित हो सकती है जिससे की भारत में इन वस्तुओ के मामले में मुद्रास्फीति के आसार देखने को मिलेंगे। विश्व में रूस गेहूं के उत्पादन एवं निर्यातक के मामले में शीर्ष स्थान रखता है, रूस के द्वारा गेहूं निर्यात मात्रा में परिवर्तन होने से भारत में गेहूं की कीमतों में मुद्रास्फीति अनुभव की जा सकतीं है। रूस भारत का रक्षा उपकरणों के निर्यातक देशो में मुख्य देश है, वर्तमान में भारतीय सशस्त्र बलों के 65 प्रतिशत हथियार एवं उपकरण रूस से आयात होते है और भारत को इसके कल-पुर्जा के लिए भी रूस पर निर्भर रहना पड़ता है हालाँकि इस संकट के कारण रक्षा उपकरणों की पूर्ति एवं समझोतों पर अधिक गहरा प्रभाव नही पड़ने वाला है। पश्चिमी देशो द्वारा रूस पर कड़े प्रतिबंधो के बावजूद भी भारत रक्षा उपकरणों के समझोते कर रहा है। भारत पर अमेरिका के कड़े विरोध के बावजूद भारत ने रूस से एस . -400 ट्रायम्फ मिसाइल की खरीद की है एवं 203 असोल्ट रायफल के निर्माण के लिए रूस के साथ 5000 करोड़ रूपये से अधिक मूल्य के एक सौदे पर भी वार्ता चल रही है।

भारत यूक्रेन के साथ भी अंतर्राष्ट्रीय व्यापार करता है। यूक्रेन से भारत खाने का तेल खाद समेत न्युक्लियर रिएक्टर और बोयलर एवं आवश्यक मशीनरी सप्लाई करता है वही यूक्रेन भारत से दवाई और इलेक्ट्रोनिक मशीनरी जेसे सामान आयात करता है।

ट्रेडिंग इकोनॉमिक्स कें आँकडो के अनुसार साल 2020 में भारत ने यूक्रेन से 1.45 बिलियन डॉलर का खाने के तेल, 210 मिलियन डॉलर खाद एवं करीब 103 मिलियन डॉलर का न्यूक्लियर रिएक्टर व बॉयलर का आयत किया गया है। न्यूक्लियर रिएक्टर व बॉयलर के मामले में भारत के लिए रूस के बाद यूक्रेन सबसे बड़ा सप्लायर में से एक है। रूस-यूक्रेन के इस संकट के बीच न्यूक्लियर एनर्जी की आपूर्ति बाधित हो सकती है जिससे न्यूक्लियर एनर्जी पर भारत का काम धीमा हो सकता है। इसके अलावा भारत यूक्रेन से लोहा, स्टील, प्लास्टिक, इनार्गानिक केमिकल आदि कई वस्तुओ को आयात करता है। भारत पर इस संकट से उन वस्तुओ के आयात निर्यात पर सीधा प्रभाव पड़ेगा जो प्रत्यक्ष तौर से रूस और यूक्रेन से आयात निर्यात होती है चूँकि रूस एवं यूक्रेन गेहू के विश्व में बडे उत्पादक देश है इसलिए भारत को खाद्यान्नो में प्रत्यक्ष आयातों में कमी हो सकती है जिससे खाद्यान्नो की घरेलु कीमतों में वृद्धि हो सकती है।

शेयर बाज़ार पर प्रभाव

रूस-यूक्रेन संकट के चलते वैश्विक बाज़ार पर खतरा बरकरार है। रूस-यूक्रेन संकट के कारण विश्व के अनेक देशो के शेयर बाज़ार में भारी गिरावट एवं अस्थिरता देखने को मिल रही है। प्रसिद्ध फाइनेंसियल एवं रिचर्स कंपनी नोमुरा की रिपोर्ट के अनुसार रूस-यूक्रेन संकट का एशिया में सबसे बड़ा ज्यादा नकारात्मक प्रभाव भारत पर को सकता है।

भारतीय शेयर बाज़ार के कुछ आँकड़े

BSE SENSEX

Figure 1

Table 1

DATE	BSE SENSEX POINTS	CHANGE IN POINTS
18 FEB.2022 (A)	57832.97	-59.04
23 FEB.2022 (B)	57232.06	-68.62
24 FEB.2022 (C)	54529.91	-2702.15
02 MARCH 2022 (D)	55468.90	+778.38
04 MARCH 2022 (E)	54333.81	-768.87
07 MARCH 2020 (L)	52842.75	-1491.06
09 MARCH 2022 (F)	54647.33	+1223.27

NSE NIFTY 50

Figure 2

Table 2

DATE	NSE NIFTY 50 POINTS	CHANGE IN POINTS
21 FEB 2022(C)	17206.65	-69.65
23FEB 2022(B)	17063.25	-28.95
24FEB 2022(A)	16247.95	-815.3
02 MARCH 2022 (E)	16605.95	-187.95
07 MARCH 2022 (L)	15863.15	+382.8

रूस-यूक्रेन संकट का प्रभाव पहले दिन ही भारतीय शेयर बाज़ार पर प्रत्यक्ष रूप से देखने को मिला। रूस-यूक्रेन युद्ध के पहले दिन ही भारतीय शेयर बाज़ार के सेंसेक्स में 2702.15 अंक एवं निफ्टी 50 में 815.3 अंको की भारी गिरावट देखने को मिली। युद्ध का असर भारतीय शेयर बाज़ार पर अभी भी देखने को मिल रहा है।

रूस-यूक्रेन युद्ध के प्रारंभ होने से पूर्व ही युद्ध की आशंका के चलते गिरावट पहले से ही महसूस की जा रही थी। 18 एवं 23 फ़रवरी को क्रमश सेंसेक्स में 59.09 एवं 68.62 अंको की गिरावट तथा निफ्टी 50 में 21 एवं 23 फ़रवरी को 69.65 एवं 28.95 अंको की गिरावट दर्ज की गई थी। युद्ध के प्रारंभ होने के लगभग दो सप्ताह बाद भी शेयर बाज़ार को अस्थिरता का सामना करना पड़ रहा है जहां 04 मार्च एवं 07 मार्च को क्रमश 768.87 व 1491.06 अंको की गिरावट वही 02 मार्च को निफ्टी 50 में 187.95 अंको की गिरावट दर्ज की गई, यधपि वर्त्तमान में स्थिति सामान्य होने की संभावना है।

विनिमय दर पर प्रभाव

Table 3

SR.NO	DATE	EXCHANGE RATE	SR.NO	DATE	EXCHANGE RATE
1.	18 FEB 2022	1$=74.68	8.	01 MAR. 2022	1$=75.80
2.	20 FEB 2022	1$=74.68	9.	03 MAR 2022	1$=75.89
3.	21 FEB 2022	1$=74.62	10.	04 MAR.2022	1$=76.43
4.	22 FEB 2022	1$=74.63	11.	05 MAR.2022	1$=76.43
5.	24 FEB 2022	1$=75.41	12.	07 MAR.2022	1$=77.08
6.	26 FEB 2022	1$=75.08	13.	12 MAR.2022	1$=76.76
7.	28 FEB 2022	1$=75.29	14.	16 MAR.2022	1$=76.02

रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण भू-राजनेतिक जोखिम बढने के बीच निवेशको द्वारा डॉलर के रूप में सुरक्षित ठिकाना खोजने से रूपये में गिरावट महसूस की गई। कच्चे तेल एवं प्राकृतिक गैस की कीमतों में वृद्धि होने से विनिमय दर में परिवर्तन देखने को मिला। भारतीय विनिमय दर 24 फ़रवरी को भारतीय रुपये के मूल्य में 3.2 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। तेल के मूल्य 139 डॉलर प्रति बेरल होने पर भारतीय रूपये का मूल्य 1$=77 रूपये के लगभग पहुच गया था। भारतीय रूपये के मूल्य में कमी के कारण निर्यातों में 10 प्रतिशत से भी ज्यादा वृद्धि दर्ज की गई।

आयात बिल एवं व्यापार घाटे पर प्रभाव

रूस-यूक्रेन युद्ध के चलते भारत का आयत बिल बढने एवं व्यापार घाटे में वृद्दि होने की आशंका बताई जा रही है। आयत बिल एवं व्यापार घाटे में वृद्दि के कारणों में मुख्य कच्चे तेल एवं प्राकृतिक गैस की कीमतों में वृद्दि है, साथ ही साथ उन आवश्यक वस्तुओ की खरीद भी है आयत बिल एवं व्यापार घाटे में वृद्दि के कारण है, जिनके लिए भारत अन्य देशो पर निर्भर है।

रेटिंग एजेंसी इंडिया रेटिंग्स की रिपोर्ट के मुताबित रूस-यूक्रेन युद्ध से पैदा हुए भू-राजनीतिक जोखिम से खनिज तेल गैस आभूषण रत्न खाद्य और उर्वरक जेसे वस्तुओ के दाम बढ जाएंगें इन चीजो के दाम बढने से मुख्य रूप से भारत का आयातित बिल बढ़ जाएंगा। वित्त वर्ष 2021 -22 में वस्तुओ का आयात 600 अरब अमेरिकी डॉलर था।

इंडिया रेटिंग के मुख्य अर्थशास्त्री देवेन्द्र पंथ ने रिपोर्ट में कहा है कि इसके चलते मुद्रास्फीति में बढोतरी होगी , चालू खाता घाटा बढ़ सकता है और रूपये के मूल्य में गिरावट हो सकती है। उन्होंने कहा है कि कच्चे तेल की कीमत में 5 डॉलर प्रति बेरल की बढोतरी होने पर व्यापार या चालू खाता घाटा 6.6 अरब डॉलर बढता है।

मुद्रास्फीति पर प्रभाव

कच्चे तेल की बढती कीमतों का असर भारत को सबसे ज्यादा प्रभावित कर सकता है। ब्रेंट क्रूड की कीमतों में लगातार वृद्दि हो रही है। क्रूड आयल और खाद्य वस्तुओ की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी भारत की अर्थव्यवस्था पर काफी बुरा असर डालेगी। बढती महंगाई , बढता चालू खाता ,घाटा और आर्थिक वृद्धि के प्रभावित रहने से मुश्किलें और बढ़ सकती है। रूस-यूक्रेन युद्ध का असर प्रत्यक्ष रूप से भारत में गेहू, कोयला, खाने का तेल, कच्चा तेल, खाद रसायन, ज्वेलरी आदि पर बढ़ती मुद्रास्फीति के रूप मे प्रभाव दिखेगा। विश्व में भारत कच्चे तेल का तीसरा सबसे बड़ा आयातक देश है। भारत को अपनी जरुरत का लगभग 85 फीसदी तेल विदेशो से आयत करना पड़ता है। निर्यातक के संघ फेडरेशन ऑफ़ इंडियन एक्सपोर्ट आर्गेनाईजेशन ने कहा है की यूक्रेन-रूस के बीच सेन्य संकट से माल की आवाजाही , भुगतान और तेल की कीमते प्रभावित होगी और फलस्वरूप इसका असर देश के व्यापार पर भी पड़ेगा। भारत और रूस के बीच द्विपक्षीय व्यापार इस वित्त वर्ष 2020-21 में यह 8.1 अरब डॉलर का था। भारत मुख्य तौर पर रूस से इंधन, खनिज तेल, मोती, कीमती पत्थर, परमाणु रिएक्टर, बोयलर, मशीनरी और यांत्रिकी उपकरण का आयात करता है। क्वाटइको रिसर्च के अनुसार भारत के क्रूड बास्केट में 10 डॉलर प्रति लीटर की बढोतरी वित्त वर्ष 2022 के लिए वार्षिक सकल घरेलु उत्पाद के वृद्धि के अनुमान 9.2 फीसदी से 10 आधार अंक की वृद्धि कम कर सकता है। बैंक ऑफ़ बड़ोदा के मुख्य अर्थशास्त्री मदन सबनबीस ने कहा की क्रूड बास्केट में 10 फीसदी की स्थाई बढ़त डब्ल्यू .पी. आई. आधारित महंगाई में 1.2 फीसदी और सी.पी. आई. आधारित महंगाई में 0.3 से 0.4 फीसदी की बढोतरी कर सकता है। मुद्रास्फीति का सीधा असर सामान्य व्यक्ति के बजट पर पड़ेगा भारत में रिज़र्वे बैंक ऑफ़ इंडिया को महंगाई पर काबू पाने के लिए कुछ बडे फेसले लेने पर सकते है।

नोमुरा का अनुमान है की कच्चे तेल में 10 फीसदी के उछाल से सकल घरेलु उत्पाद की वृद्धि दर में .20 अंको की गिरावट आ सकती है । भारत पर इस संकट से उन वस्तुओ के आयात निर्यात पर सीधा प्रभाव पड़ेगा जो प्रत्यक्ष तौर से रूस और यूक्रेन से आयात निर्यात होती है चूँकि रूस एवम यूक्रेन गेहू के विश्व में बडे उत्पादक देश है इसलिए भारत को खाद्यान्नो में प्रत्यक्ष आयातों में कमी हो सकती है जिससे खाद्यान्नो की घरेलु कीमतों में वृद्धि हो सकती है ।

निष्कर्ष

रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण विश्व के अनेक देशो की अर्थव्यवस्था पर नकारात्मक प्रभाव देखने को मिल रहा है भारत एक वैश्विक अर्थव्यवस्था होने के कारण इस युद्ध के प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष दोनों प्रभावों का सामना करना होगा। रूस - यूक्रेन के इस संकट काल के दौरान वैश्विक आपूर्ति शृंखला बाधित हुई है, जिसका प्रभाव भारत पर भी पड़ा है। वैश्विक आपूर्ति शृंखला बाधित होने से भारत में आयातो की मात्रा मे कमी से इनकी घरेलू कीमतों में वृद्धि हुई है जिसमें कच्चे तेल , खाद्य तेल आदि प्रमुख आयातित माल है। इस संकट से भारतीय शेयर बाजार पर भी प्रभाव डाला है। इस संकट के दौरान शेयर बाजार को अस्थिरता का सामना करना पड़ रहा है।

रूस-यूक्रेन सकंट के कारण वैश्विक बाजारों मे बढ़ती कच्चे तेल एवं अन्य आयातो की कीमतों के कारण आयात महँगे एवं निर्यात सस्ते हो जाते हैं जिससे विदेशी मुद्रा भंडार में वृद्धि एवं व्यापार घाटे में कमी होने की संभावना है.। रूस यूक्रेन युद्ध का भारतीय अर्थव्यवस्था पर गहरा असर देखा जा सकता है क्योकि अगर ये लड़ाई तीसरे विश्व युद्ध की तरफ बढ़ती है तो व्यापारिक गतिविधियों पर ऋणात्मक असर अवश्य देखने को मिलेगा सबसे पहले जों कच्चे तेल के कीमत जो पहले से ही अधिक है जो कि और अधिक हो सकती है ये भारत के लिए बेहद नकारात्मक साबित होगा , देश का आयात खर्च बढेगा जिसके चलते व्यापार घाटा भी ओर अधिक हो जाएगा।

REFERENCES

Anand J.C (2022 Feb 25) , Russia Ukraine Crisis Effect on India
http://navbharattimes.indiatimes.com

BSE Sensex
http://g.colkgs/ QwNmPL

Historical Data index (National Stock Exchange)
http://www.nseindia.com

Historical prices of S & P Bse Sensex
http://www.justdial.com

India Rupee (Ukraine Crisis)
http://m.economicstimes.com